# दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 27 शुक्रवार 15 अगस्त 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

### शुभकामना

स्वतंत्रता दिवस पर दैनिक भारतीय बस्ती के पाठकों, शुभेच्छुओं, विज्ञापनदाताओं,वितरकों सहित जन–जन को हार्दिक शुभकामना–

**– सम्पादक**

### अवकाश सूचना

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर दैनिक भारतीय बस्ती प्रेस एवं कार्यालय बंद रहेगा। आगामी अंक 17 अगस्त को प्रकाशित होगा।

**–व्यवस्थापक**

# पहलगाम हमला कायराना, अमानवीय–राष्ट्रपति

**नई दिल्ली (आभा)।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 79वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र को संबोधित किया। 24 मिनट के संबोधन में उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर, कश्मीर रेल प्रोजेक्ट, विकास, लोकतंत्र और अर्थव्यवस्था जैसे विषयों पर बात रखी।

उन्होंने कहा– इस साल हमें आतंकवाद का दर्द झेलना पड़ा। पहलगाम हमला कायराना और अमानवीय था। इसके जवाब में ऑपरेशन सिंदूर में सेना ने सीमापार आतंकियों के ठिकानों को तबाह किया। यह आत्मनिर्भर भारत मिशन की परीक्षा का भी अवसर था।

राष्ट्रपति ने आगे कहा– कश्मीर घाटी में रेल सर्विस शुरू होना बड़ी उपलब्धि है। इससे उस क्षेत्र में व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। वहीं, 55 करोड़ लोगों को आयुष्मान योजना का लाभ मिला है। साथ ही कहा कि भारत लोकतंत्र की जननी, हमारे लिए संविधान सर्वोपरि है।

कहा कि पहलगाम हमला निर्दोष नागरिकों की हत्या, कायरतापूर्ण और नितांत अमानवीय थी। इसका जवाब भारत ने फौलादी संकल्प के साथ निर्णायक तरीके से दिया। ऑपरेशन सिंदूर ने यह दिखा दिया कि जब राष्ट्र की सुरक्षा का प्रश्न सामने आता है तब हमारे सशस्त्र बल किसी भी स्थिति का सामना करने के लिए पूरी तरह सक्षम सिद्ध होते हैं। रणनीतिक स्पष्टता और तकनीकी दक्षता के साथ, हमारी सेना ने सीमा पार के आतंकवादी ठिकानों को नष्ट कर दिया। द्रौपदी मुर्मू देश की 15वीं राष्ट्रपति हैं। वे इस सर्वोच्च संवैधानिक पद पर पहुंचने वाली देश की पहली आदिवासी और दूसरी महिला राष्ट्रपति हैं। 64 साल की मुर्मू ने साल 2022 में देश में सबसे कम उम्र में राष्ट्रपति बनने का रिकॉर्ड भी बनाया।

## बादल फटने से 42 की मौत, 200 लापता

किश्तवाड (आभा)। जम्मू–कश्मीर में किश्तवाड़ के चशोटी गांव में गुरुवार दोपहर 12.30 बजे बादल फटा। कई लोग पहाड़ से आए पानी और मलबे की चपेट में आ गए। हादसे में अब तक 42 लोगों की मौत हो गई है। अब तक 65 लोगों को बचाया गया है। करीब 200 से ज्यादा लोग लापता हैं।हादसा उस समय हुआ जब हजारों श्रद्धालु मचौल माता यात्रा के लिए किश्तवाड़ में पड्डर सब–डिवीजन में चशोटी गांव पहुंचे थे। यह यात्रा का पहला पड़ाव है। बादल वहीं फटा है, जहां से यात्रा शुरू होने वाली थी। यहां श्रद्धालुओं की बसें, टेंट, लंगर और कई दुकानें थीं। सभी बाढ़ के पानी में बह गए।

## तिरंगा यात्रा निकालकर दिया संदेश

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

बस्ती। हर घर तिरंगा अभियान के तहत आज गुरुवार को जिले में भव्य तिरंगा यात्रा (बाइक रैली) का ऐतिहासिक आयोजन हुआ। शहर का माहौल पूरी तरह देशभक्ति के रंग में रंग गया। इस यात्रा का नेतृत्व असम भाजपा प्रभारी एवं पूर्व सांसद श्री हरीश द्विवेदी और भाजपा जिलाध्यक्ष श्री विवेकानन्द मिश्र ने किया। कार्यक्रम में पूर्व कैबिनेट मंत्री श्री राजकिशोर सिंह भी सम्मलित रहे।

## पूर्व विधायक संजय जायसवाल के नेतृत्व में तिरंगा मय हुआ रूधौली

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**बस्ती । भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं रूधौली विधानसभा के पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल के नेतृत्व मे गुरूवार को रूधौली में शहीद शिव गुलाम सिंह स्थल से पैड़ा चौराहे तक भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गयी।

तिरंगा यात्रा को सम्बोधित करते हुए संजय प्रताप ने कहा कि आजादी की लड़ाई में बस्ती की माटी का बहुत बड़ा योगदान है जब स्वतन्त्रता संग्राम की लड़ाई चल रही थी तब बस्ती के बीर सपूतो ने अपनी जांन गवां कर अग्रेंजो के खिलाफ आवाज बुलन्द किया । हम उन्हें श्रद्वा सुमन अर्पित करते है । हमारा देश दिन प्रतिदिन तरक्की कर रहा है और आगे बढ़ रहा है। देश के वीर जवान मां भारती की रक्षा के लिए सीमा पर डटे हुए है हम सभी लोगो को मिल कर देश हित मे कार्य करना चाहिए ।

इस मौके पर पूर्व विधानसभा प्रत्याशी संगीता जायसवाल, मनोज सिंह, राजकुमार चौधरी, जेपी जायसवाल, सन्जू सिंह, रत्नेश राय,पप्पू चौधरी, पंकज सिंह, मुन्ना जायसवाल, प्रिन्स जायसवाल, विजय कुमार पाण्डेय, महेन्द्र सिंह, अतुल यादव, भोला सिंह,विकास शर्मा, कम्मू, उमेश सिंह, रणजीत यादव,परवेज कुमार, मोनू पाठक सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

## डा. बी.बी. मिश्र के निधन पर शोक

**-भारतीय बस्ती संवाददाता-**

बस्ती। वरिष्ठ होम्योपैथ चिकित्सक डा. बी.बी. मिश्र का बड़े बन स्थित आवास पर गुरूवार को निधन हो गया। 72 वर्षीय डा. मिश्रा अपने पीछे पत्नी, पुत्र, पुत्री भरा पूरा परिवार छोड़ गये हैं। डा. मिश्र का अंतिम संस्कार अयोध्या स्थित सरयू तट पर किया गया।

वरिष्ठ होम्योपैथ चिकित्सक एवं रिसर्च सोसायटी आफ होम्योपैथी के संरक्षक डा. वी.के. वर्मा ने कहा कि बी.बी. मिश्र का निधन होम्योपैथ चिकित्सा क्षेत्र की अपूरणीय क्षति है। होम्योपैथ के माध्यम से डा. मिश्रा ने लाखों मरीजों का उपचार किया। उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा। डा. बी.बी. मिश्र के निधन पर अनेक चिकित्सकों, समाजसेवी संगठनों ने श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

*"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स*

दैनिक
# भारतीय बस्ती
बस्ती 15 अगस्त 2025 शुक्रवार

## सम्पादकीय

### स्वाधीनता की विकास यात्रा और चुनौतियां

79 वां स्वाधीनता दिवस का पर्व ऐसे समय में मनाया जा रहा है जब देश में मतदाता सूची की शुद्धता को लेकर सड़क से संसद तक सियासत गर्म है। यदि पिछले 7 दशक में मतदाता सूची को शुद्ध बनाया गया होता तो आज बिहार में बड़ी संख्या में लोग इस बात की गुहार न लगाते कि वे जीवित हैं लेकिन उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। स्वाधीनता प्राप्ति के बाद की भारत की यात्रा गौरवशाली उपलब्धियों की गाथा है। हालांकि यह भी सत्य है कि सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक जीवन की चुनौतियों सहित कई गंभीर चुनौतियों से अब तक निपटा नहीं जा सका है। देश ने लम्बे संघर्ष के बाद स्वाधीनता प्राप्त की थी और इस संघर्ष में सभी जातियों और धर्मों के असंख्य लोगों ने बलिदान दिया था।

साहसी स्वाधीनता सेनानियों के विरोध तथा उनका साथ देने वाले उन लाखों लोगों से जाहिर होता है, जिन्होंने दौलत और ताकत के लालच को अस्वीकार कर गरीबी और तकलीफों को गले लगाया। एक दिलचस्प किस्से के माध्यम से इसे स्पष्ट रूप से समझा जा सकता है। जब इलाहाबाद से छपने वाले स्वराज्य अखबार ने अपने संपादक के पद के लिए विज्ञापन दिया और प्रत्येक संपादकीय के लिए एक गिलास पानी, दो रोटियां और 10 साल के सश्रम कारावास को प्रोत्साहन के रूप में दर्शाया, तो राष्ट्र की सेवा को तत्पर बड़ी तादाद में उम्मीदवार उसके कार्यालय में आ जुटे।

स्वाधीनता के बाद भी यही भावना बरकरार रही। जब भी बाहरी या आंतरिक चुनौतियों का सामना करने की नौबत आयी, भारत चट्टान की तरह मजबूती से खड़ा रहा और उसने अपने लोकतंत्र को मजबूती प्रदान करने के साथ ही साथ विभिन्न क्षेत्रों में अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल कीं। ऐसी अबाधित प्रगति के मार्ग की रचना निस्संदेह हमारे संविधान निर्माताओं ने की थी। संविधान सभा में हुई चर्चाओं से पता चलता है कि संविधान निर्माता विचारशील प्रजातंत्रवादी थे, जो यह सुनिश्चित करना चाहते थे कि लोकतंत्र भारतीय समाज की विविधताओं का समावेशन करे और उसके सामाजिक, राजनीतिक व आर्थिक जीवन के विरोधाभासों का समाधान करे। उनके प्रयासों की सफलता की छाप देश की राजनीतिक गतिविधियों में परिलक्षित होती है। वर्ष 1952 में प्रथम आम चुनावों में जहां 54 राजनीतिक दलों ने भाग लिया था, वहीं 2014 के लोकसभा चुनावों में उनकी संख्या बढकर 464 हो गयी।

78 साल की अवधि में, भारत ने बहुत से क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। भारत ने 1975 में अपने प्रथम उपग्रह आर्यभट्ट का प्रक्षेपण किया और अब उसकी निगाहें 200 बिलियन डॉलर वाले लाभप्रद रॉकेट बाजार पर टिकी हैं। स्वदेशी तौर पर विकसित ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल हमारे वैज्ञानिकों की योग्यता का देदीप्यमान उदाहरण है। भारत मिसाइल टेक्नोलॉजी कंट्रोल रिजिम (एमटीसीआर) का 35वां सदस्य भी बन चुका है, जिसके लिए चीन पिछले एक दशक से प्रयासरत है। 1951 में, जीवन प्रत्याशा लगभग 37 वर्ष थी, जो 2011 में 65 वर्ष हो गयी। हालांकि यह विकास समावेशी नहीं रहा है और 20 प्रतिशत से ज्यादा भारतीय लोग अब तक गरीबी की रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे हैं। गरीबी, अज्ञानता, स्वास्थ्य के खराब मापदंड, सामाजिक एवं आर्थिक असमानताएं, जो बड़ी संख्या में लोगों के कष्टों का कारण हैं, विकास की हमारी चर्चाओं पर धब्बा हैं। रोजमर्रा के जीवन की परेशानियों को दूर करना आज की सरकार का सबसे बड़ा कार्य है। इसमें किसी भी चीज से ज्यादा अस्थिर करने की क्षमता है।

भारत में ही लेखन में दशमलव मूल्य प्रणाली और 'शून्य' के उपयोग का विकास हुआ। सुश्रुत की सुश्रुत संहिता, चिकित्सकीय ज्ञान का खजाना है, क्योंकि प्लास्टिक सर्जरी की प्रारम्भिक घटनाओं में से एक का उल्लेख इसमें पाया जाता है। हालांकि प्राचीन भारत के इन योगदानों को नजरंदाज कर दिया गया। प्राचीन भारत में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हासिल की गयी महान उपलब्धियों का उल्लेख चंद पंक्तियों या अनुच्छेदों में कर दिया गया। इससे संस्कृति, राष्ट्रवाद और धर्मनिरपेक्षता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गहन राजनीतिक, वैचारिक और अकादमिक विचार–विमर्श अनिवार्य हो जाता है। अपने वैचारिक अधिपत्य साथ ही साथ भारत के विचार को परिभाषित करने के लिए परस्पर विरोधी दृष्टिकोणों के बीच टकराव होता आया है। इसके अलावा, वे भारत के लोगों की चेतना में अंतर्निहित सभ्यता के अंतर्भूत मूल्यों के सामर्थ्य को नष्ट नहीं कर पाए हैं। औपनिवेशिक अवधि के दौरान हमारे अतीत को फिर से सामने लाते हुए और प्रमुखतया सांस्कृतिक संदर्भ में राष्ट्रवाद की व्याख्या करते हुए विचारक से स्वाधीनता सेनानी बनी बाल गंगाधर तिलक, बी सी पाल, महर्षि अरविंदो जैसी विभूतियों ने इनका स्मरण कराया। हालांकि स्वाधीनता प्राप्ति के बाद वाले भारत में राष्ट्रवाद को राष्ट्र की सांस्कृतिक जड़ों से पुन: जोड़ने के लिए ज्यादा प्रयास नहीं किए गए। यहां तक कि स्वाधीनता संग्राम का इतिहास उत्तरोत्तर उजागर हो रहा है। अपने प्राणों की आहुति देने वाले कुछ लोगों के नाम तक आधुनिक इतिहास की पुस्तकों में नहीं मिलते, जबकि कुछ लोगों को स्वाधीनता संग्राम में उनके योगदान के अनुपात से अधिक स्थान मिला है। विचार–विमर्श और विवाद भी भारतीय मानस की राजनैतिक स्वतंत्रता हेतु सर्वसम्मति के लिए अनुकूल आधार तैयार करते आए हैं। जनता की यह महत्वाकांक्षा और भावना अक्सर ऐतिहासिक फैसले में परिलक्षित होती है। वैश्विक मामलों में भूमिका निभाने के लिए हमारी ताकत और सामर्थ्य की नैतिक व्याख्या की आवश्यकता है। भारत का नियति के साथ वादा की राह में कई रुकावटें हैं और उसे कई परीक्षाओं की कसौटी पर खरा उतरना है। हमें जनता के विश्वास पर खरा उतरना होगा। पूर्ण विश्वास है कि अनगिनत चुनौतियों के बीच भारत की विकास यात्रा जारी रहेगी और उम्मीदें पूरी होंगी।

# स्वतंत्रता और स्वराज की विकास यात्रा और विषमता

–विश्वनाथ सचदेव–

स्वराज का मतलब यह भी है कि हम सत्ता के अनुचित उपयोग के विरुद्ध खड़े होने का साहस भी अपने भीतर जगायें? अन्याय के विरोध का भाव जगाना ही पर्याप्त नहीं है, अन्याय के विरोध की क्षमता भी स्वतंत्र देश के हर नागरिक में होनी चाहिए। एक स्वतंत्र समाज का दायित्व बनता है कि वह ऐसी स्थितियां बनाये कि हर नागरिक में अन्याय का विरोध करने की क्षमता जगे।

'स्वराज में राहत तो होगी' मजदूर मगर भूखा होगा' उसके बदले की रोटी' दौलत वाला खाता होगा... आजादी चीज तो अच्छी है, लेकिन है पैसे वालों की, मजदूर को मजदूरी करनी' गोरों के बजाय कालों की... ।' यह पंक्तियां किसने लिखी हैं, यह तो नहीं पता, पर इतना अवश्य पता है कि आजादी की लड़ाई के दौरान कुछ लोग इस तरह के गीत भी गाया करते थे। मैंने अपने पिताजी से बचपन में ये पंक्तियां सुनी थीं और यह बात वे तब कहते थे जब देश में आर्थिक या सामाजिक विषमता का कोई मुद्दा उठता था। समानता और बंधुता के सारे दावों के बावजूद विषमता की खाइयों की गहराइयां कम नहीं हो रहीं। बड़े–बूढ़ों से यह बात हम अक्सर सुनते रहते हैं कि आजादी पा लेने के बावजूद देश में समानता का वह सपना कहीं पूरा होते नहीं दिखता जो हमारे स्वतंत्रता सेनानी देखा करते थे। यह केवल सच्चाई अपने आप में बहुत कुछ कह देती है कि आज देश की आबादी के दस प्रतिशत ऊपरी हिस्से के पास देश की राष्ट्रीय संपत्ति का 77 प्रतिशत हिस्सा है!

आज जबकि हम अपनी आजादी के 78वें साल में दुनिया की तीसरी आर्थिक व्यवस्था बनने की ओर तेजी से बढ़ने के दावे कर रहे हैं, करोड़ों को गरीबी रेखा से उबारने की दुहाई दे रहे हैं, दुनिया की सबसे तेजी से सुधरती अर्थव्यवस्था होने का दम भर रहे हैं, स्वयं को विश्वगुरु मान रहे हैं तो यह सवाल उठना ही चाहिए कि देश की 80 प्रतिशत आबादी को सरकार द्वारा दिये जाने वाले प्रतिमाह 5 किलो अनाज पर जीवन–यापन क्यों करना पड़ रहा है? सरकारी मदद को भीख कहना अच्छा नहीं लगता है, पर हकीकत है– इससे भी तो इन्कार नहीं किया जा सकता।

बरसों पहले भारत की संसद में उठा तीन आने और तेरह आने वाला सवाल एक तरह से आज भी मुंह बाये हमारे सामने खड़ा है। देश की आर्थिक स्थिति पर बोलते हुए समाजवादी विचारक और नेता डॉ. राम मनोहर लोहिया ने तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को चुनौती दी थी कि वे इस स्थापना को गलत साबित करके बतायें कि देश के 27 करोड़ लोग तीन आने से भी कम पैसे में अपना जीवन–यापन करने के लिए विवश हैं। तब रुपये में सोलह आने हुआ करते थे और देश की आबादी भी 50–55 करोड़ थी। अपने उस भाषण में डॉ. लोहिया ने देश की संसद में कहा था, 'देश के प्रधानमंत्री पर प्रतिदिन पच्चीस हजार रुपये खर्च होते हैं! जबकि, देश का आम नागरिक प्रतिदिन तीन आने में अपना काम चलाने के लिए बाध्य है!' ज्ञातव्य है कि तब प्रधानमंत्री नेहरू ने डॉ. लोहिया की इस स्थापना को गलत तो कहा था, पर उन पर देशद्रोही होने का आरोप नहीं लगाया था।

आजादी की लड़ाई के दौरान स्वराज में मजदूर के भूखा सोने की बात कहने वाले की आलोचना तब भी होती थी, पर उन्हें देशद्रोही नहीं समझा जाता था। आज हम आजाद हैं, और आजादी का तकाजा है कि हम सततः सावधान रहने की शर्त को पूरा करने वाले नागरिक सिद्ध हों। नागरिक की जागरूकता स्वतंत्र देश की सार्थकता की पहली शर्त है। आज जबकि हम आजादी की 78वीं सालगिरह मनाए जा रहे हैं, हममें से हर एक को अपने आप से यह पूछना होगा कि सततः जागरूकता की इस कसौटी पर हम कितना सफल सिद्ध होते हैं? पूछना तो हमें अपने आप से यह भी है कि क्या वह पूरी आजादी हमने पा ली है जिसकी शपथ 95वें साल पहले हमने रावी नदी के तट पर ली थी?

यह पूरी आजादी की शपथ देश ने कांग्रेस के लाहौर अधिवेशन में ली थी। इस पूरी आजादी का मतलब सिर्फ अपना शासन नहीं था। पूरी आजादी का मतलब था वह सोच जो हर नागरिक को खुली हवा में सांस लेते हुए राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक प्रगति का समान अवसर देती है।

स्वतंत्रता को किसी भी कीमत पर महंगी न समझने वाले राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा था, 'जब तक हम पूर्ण स्वतंत्र नहीं हैं, हम गुलाम ही हैं।' आज बापू के इन शब्दों को सही अर्थों में समझने की आवश्यकता है। पूरी आजादी का मतलब है समान अधिकारों और समान अवसरों के साथ जी पाना। क्या ऐसी स्थिति है हमारे देश में? आजादी की लड़ाई के दौरान जिस तरह राहत की बात कवि कर रहा था, क्या सचमुच हमने वह राहत पा ली है? हमारे पूर्वजों ने स्वतंत्र भारत में एक ऐसे मानव–समाज की कल्पना की थी जिसमें हर नागरिक को समान अधिकारों के साथ जीने का अधिकार भी मिलेगा और अवसर भी। उस स्वतंत्रता में कोई छोटा या बड़ा नहीं होगा। स्वतंत्र भारत में समानता का मतलब वह व्यवस्था होगी जिसमें झोपड़ी कुछ ऊंची होगी, महल कुछ नीचा। जाति और वर्ण के आधार पर किसी को नीचा या ऊंचा नहीं माना जायेगा। हमारे संविधान का आमुख हर नागरिक को न्याय पाने का पूरा अधिकार देता है। समता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुता की यह स्थितियां क्या हमने पा ली हैं?

एक सवाल और जो हमें अपने आप से पूछना चाहिए वह यह है कि क्या हम सचमुच स्वतंत्रता और स्वराज का मतलब समझते हैं? स्वतंत्रता बंधन से मुक्ति का नाम है और स्वराज का मतलब है निज–शासन की युक्ति। स्वतंत्रता कुछ बंधन लाती है अपने साथ। बंधन अर्थात संयम। बंधन अर्थात मर्यादाओं में जीने की युक्ति। यह तो सब जानते हैं कि स्वराज का मतलब सत्ता का अपने अथवा अपनों के हाथ में आना है, पर हम में से कितने लोग यह समझते हैं कि स्वराज का मतलब यह भी है कि हम सत्ता के अनुचित उपयोग के विरुद्ध खड़े होने का साहस भी अपने भीतर जगायें? अन्याय के विरोध का भाव जगाना ही पर्याप्त नहीं है, अन्याय के विरोध की क्षमता भी स्वतंत्र देश के हर नागरिक में होनी चाहिए। एक स्वतंत्र समाज का दायित्व बनता है कि वह ऐसी स्थितियां बनाये कि हर नागरिक में अन्याय का विरोध करने की क्षमता जगे।

पंद्रह अगस्त और छब्बीस जनवरी को तिरंगा फहराकर हम अपनी आजादी का उत्सव तो मना सकते हैं, पर इस उत्सव की सार्थकता तभी होगी जब देश का हर नागरिक वह जीवन जी सके, जिसमें आजादी अपने पूरे के साथ को पुष्पित–पल्लवित होगी। सच्चा और पूरा स्वतंत्र समाज वही है जिसमें हर रंग के फूल अपनी गंध बिखेर रहे हों, जहां जाति के आधार पर आदमी और आदमी के बीच की दूरी नहीं होगी। रावी के तट पर हमने पूरी आजादी पाने की शपथ ली थी, उस आजाद भारत में ऊंच–नीच का कोई भेद नहीं होना था, धर्म की दीवार नहीं होनी थी, पूरी आजादी वाले उस समाज में नफरत के लिए कोई जगह नहीं है, जहां धर्म बांटता नहीं, जोड़ता है, जहां पूजा–स्थल मनुष्यता के धर्म को परिभाषित करते हैं। पूरी आजादी वाला वह समाज अभी बनाना है हमें। आर्थिक असमानता और सामाजिक विषमता की दीवारों–खाइयों को ढहाने–पाटने की आवश्यकता को अनुभव करके ही हम अपना बेहतर भारत बना सकते हैं। सच कहूं तो तभी जयहिंद कहने का अधिकार मिलेगा हमें।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

# आजादी और जिन्दगी की जरूरतें

– ललित गर्ग–

देश एवं दुनिया के सामने स्वच्छ जल एवं बढ़ते प्रदूषण की समस्या गंभीर से गंभीरतर होती जा रही है। शुद्ध हवा एवं पीने के स्वच्छ जल की निरन्तर घटती मात्रा को लेकर बड़े खतरे खड़े हैं। धरती पर जीवन के लिये जल एवं हवा सबसे जरूरी वस्तु है, जल एवं हवा है तो जीवन है। जल एवं हवा ही किसी भी प्रकार के जीवन और उसके अस्तित्व को संभव बनाता है। जीवन के तीन आधार तत्व हैं–हवा, पानी और धरती है। इनकी संरक्षा न केवल हमारी अस्तित्व–निर्भरता से जुड़ी है, बल्कि मानवता की नैतिक जिम्मेदारी भी है। आज का युग, जिस तेजी से विकसित हो रहा है, उसी भागदौड़ में हवा और पानी को परम स्वाधीनता से वंचित कर रहा है। रूस–यूक्रेन युद्ध, दिल्ली का उच्च प्रदूषण सूचकांक, अमेरिका के जंगलों की धुएं से गंदली हवा, बढ़ता वाहन प्रदूषण–ये सब संकेत देते हैं कि हवा से आजादी मतलब 'स्वस्थ हवा' पाना है। हमारे "आजादी" को नया अर्थ चाहिए तो यह प्राकृतिक संसाधनों यानी हवा एवं पानी की आजादी पर भी निर्भर है, जो मानव व पर्यावरण–जगत दोनों के लिए जीवनदायिनी है। स्वतंत्रता का अर्थ केवल राजनीतिक बंधनों से मुक्ति नहीं है, बल्कि जीवन के हर पहलू में सुरक्षित, स्वस्थ और सम्मानजनक अस्तित्व का अधिकार है। 78वें स्वतंत्रता दिवस पर जब हम आजादी का जश्न मना रहे हैं, तब यह सवाल भी उठाना जरूरी है कि क्या हमें हवा और पानी की सच्ची आजादी मिली है?

आजादी केवल तिथि नहीं, एक निरंतर संघर्ष है। यह सिर्फ झंडा फहराने का अधिकार नहीं, बल्कि हर नागरिक को मूलभूत सुविधाएं, समान अवसर और सम्मान देने की जिम्मेदारी है। हवा, पानी और धरती– इनके बिना जीवन संभव नहीं। पर दुर्भाग्य से आज इन मूलभूत संसाधनों पर गहरा संकट है। स्वच्छ हवा में सांस लेना और शुद्ध पानी पीना अब विलासिता जैसी चीज बनती जा रही है। 'हवा–पानी की आजादी' का मतलब है कि हर व्यक्ति को स्वच्छ हवा और शुद्ध पानी तक सहज पहुंच हो। यह केवल स्वास्थ्य का ही नहीं, बल्कि मानवता का मूल अधिकार है। परंतु शहरीकरण, औद्योगीकरण और संसाधनों के दुरुपयोग ने हवा और पानी दोनों को विषाक्त बना दिया है। विश्व में 2.2 अरब लोगों के पास सुरक्षित पेयजल की सुविधा नहीं है। भारत में करोड़ों लोग अभी भी दूषित या अपर्याप्त पानी पर निर्भर हैं। रसायनयुक्त कृषि, औद्योगिक अपशिष्ट, प्लास्टिक प्रदूषण और भूजल के अंधाधुंध दोहन ने जल की गुणवत्ता को लगातार गिराया है।

जल संकट भविष्य में सबसे बड़ा युद्ध का कारण बन सकता है। भारत–पाकिस्तान के बीच बढ़ती युद्ध की संभावनाओं का कारण भी जल ही बनता हुआ दिख रहा है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत ने पाक पर सिंधु जल समझौते को रद्द कर देने से पाक में जल संकट खड़ा हो गया है, पाक की ओर से परमाणु बम की धमकी दी जा रही है, वहीं भारत भी युद्ध की संभावनाओं को देखते हुए तैयार में जुट गया है। जल संकट केवल भारत और पाक में ही नहीं, दुनिया में एक बड़ी समस्या है। क्योंकि ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, नदियों का प्रवाह घट रहा है, भूजल का स्तर गिर रहा है। जलवायु परिवर्तन के कारण बाढ़, सूखा और भूस्खलन की घटनाएं बढ़ी हैं। आंकड़े बताते हैं कि 2000 से अब तक बाढ़ की घटनाओं में 134 प्रतिशत और सूखे की अवधि में 29 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। धरती का 70 प्रतिशत भाग पानी से भरा है, लेकिन पीने योग्य पानी केवल 3 प्रतिशत है, जिसमें से उपयोगी मीठा जल 1 प्रतिशत से भी कम है। बढ़ती जनसंख्या और बर्बादी ने इस अमूल्य संसाधन को गंभीर संकट में डाल दिया है।

दिल्ली और अन्य महानगरों में वायु गुणवत्ता सूचकांक लगातार 'बहुत खराब' या 'खतरनाक' श्रेणी में पहुंचता है। प्रदूषित हवा श्वसन रोग, हृदय रोग और कैंसर तक का कारण बन रही है। बच्चों और बुजुर्गों पर इसका सबसे अधिक दुष्प्रभाव पड़ता है। रिसर्च बताती है कि दिल्ली के 75 प्रतिशत से अधिक बच्चों को सांस लेने में कठिनाई होती है, आंखों में जलन और खांसी की शिकायत रहती है। वाहन प्रदूषण, औद्योगिक धुआं, निर्माण गतिविधियों की धूल और फसल अवशेष जलाना–ये सब मिलकर हवा को जहरीला बना रहे हैं।

भारत के पास जल प्रबंधन की प्राचीन परंपरा रही है–तालाब, कुएं, बावड़ियां, जोहड़ और सरोवर जल संरक्षण के अद्भुत उदाहरण हैं। राजस्थान के किलों और गांवों में जल संचयन व्यवस्था आज भी दुनिया के लिए प्रेरणा है। पर्यावरणविद अनुपम मिश्र कहते थे–"अब भी खरे हैं तालाब।" आज आवश्यकता है कि हम इन परंपराओं को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़कर जल संकट का समाधान करें। सरकार ने 'अटल भूजल योजना', 'नल से जल' और 'नदी पुनर्जीवन' जैसी योजनाएं शुरू की हैं। लेकिन केवल सरकारी प्रयास काफी नहीं, जनभागीदारी आवश्यक है। गांव–गांव में वर्षा जल संचयन, नदियों की सफाई, औद्योगिक अपशिष्ट का प्रबंधन और भूजल संग्रहण की व्यवस्था अनिवार्य होनी चाहिए। हवा की शुद्धता के लिए जरूरी है कि सार्वजनिक परिवहन को विश्वसनीय और सुलभ बनाया जाये, इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा दिया जाये, औद्योगिक उत्सर्जन पर सख्त नियंत्रण हो, हरित क्षेत्र और वृक्षारोपण को बढ़ाना अत्यंत जरूरी कदम है। आजादी का असली मतलब यह है कि सत्ता का केंद्र नागरिक हो, उसकी मूलभूत सुविधाएं हों और उसकी आवाज सिर्फ चुनावी भाषणों में नहीं, नीतियों और फैसलों में भी सुनी जाए।

# पंचायत चुनाव की सरगर्मियां

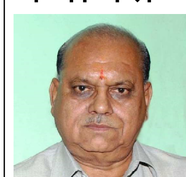

–अजय कुमार–

उत्तर प्रदेश में अगले साल संभावित त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव ने गांव से लेकर शहर तक राजनीति के गलियारों में हलचल बढ़ा दी है। राज्य निर्वाचन आयोग ने अभी भले ही चुनाव की तारीखों की घोषणा नहीं की है, लेकिन गाँव–गाँव में चौपाल सजने लगी हैं। चाय की दुकानों, पंचायत चौपालों और खेतों के किनारों पर अब सिर्फ फसल और महंगाई की नहीं, बल्कि प्रधान बनने की रणनीतियों की बातें हो रही हैं। प्रदेश में पंचायत चुनाव हमेशा से ही सामाजिक और राजनीतिक चर्चा का केंद्र रहे हैं। पंचायती चुनाव की महत्ता की बात की जाये तो पंचायत राज व्यवस्था का उद्देश्य था ''गाँव का शासन गाँव के हाथ में''। एक तरफ गांव में चौपालें सज रही हैं तो दूसरी तरफ इस बार त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में बदली हुई आरक्षण की व्यवस्था लागू होने की सुगबुगाहट के चलते चुनाव लड़ने के इच्छुक कई नेताओं उम्मीदवारों की पेशानियों पर बल पड़ गये है। ऐसे इस लिये है क्योंकि हाल ही में, इलाहाबाद हाईकोर्ट ने योगी सरकार से पंचायत चुनाव में आरक्षण व्यवस्था को लेकर स्पष्ट कहा था कि पंचायत चुनाव में आरक्षण की प्रक्रिया 2015 को आधार वर्ष मानकर लागू की जाये, इसी के साथ कोर्ट ने प्रदेश सरकार द्वारा जारी नई आरक्षण सूची को रद्द कर दिया था। हाईकोर्ट के फैसले ने न केवल योगी सरकार की किरकिरी कराई बल्कि नई चुनौतियाँ भी खड़ी कीं हैं,वहीं हाईकोर्ट के फैसले ने ग्रामीण क्षेत्रों में चुनावी गणित को भी पूरी तरह बदल दिया।

बहरहाल, पंचायत चुनाव में आरक्षण का मुद्दा उत्तर प्रदेश में लंबे समय से विवादास्पद रहा है। इस बार भी, जब सरकार ने नई आरक्षण नीति लागू करने की कोशिश की, तो इसे हाईकोर्ट में चुनौती दी गई। याचिकाकर्ताओं का तर्क था कि नई आरक्षण नीति पारदर्शी नहीं है और यह सामाजिक न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन करती थी,जिसके बाद इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने सरकार को निर्देश दिया कि आरक्षण की व्यवस्था 2015 के आधार पर ही लागू की जाए। कोर्ट ने यह भी कहा कि नई सूची तैयार करने की प्रक्रिया में पारदर्शिता और नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाए। इस फैसले का असर ग्राम पंचायतों, क्षेत्र पंचायतों और जिला पंचायतों के लिए होने वाले चुनावों पर पड़ना तय है। कई उम्मीदवार, जो पहले से अपनी जीत की रणनीति बना चुके थे, अब नए सिरे से रणनीति तैयार करने में जुट गए। खास तौर पर, पिछड़ा वर्ग और अनुसूचित जाति–जनजाति के उम्मीदवारों के लिए यह फैसला महत्वपूर्ण रहा। हाईकोर्ट के इस आदेश ने यह सुनिश्चित किया कि आरक्षण का रोटेशन चक्रानुक्रम (रोटेशनल) तरीके से हो, जिससे हर वर्ग को उचित प्रतिनिधित्व मिल सके।

इसके बाद ही योगी सरकार ने पंचायत चुनाव में 2015 के अनुसार पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण सुनिश्चित करने हेतु एक समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग के गठन का फैसला किया है। यह आयोग सामाजिक और आर्थिक पिछड़ेपन का अध्ययन करेगा और आरक्षण नीति को और मजबूत करने के लिए सुझाव देगा। इस कदम को सामाजिक समावेशिता की दिशा में एक सकारात्मक पहल के रूप में देखा जा रहा है, लेकिन इसके विपरीत कुछ आलोचकों का कहना है कि यह प्रक्रिया चुनाव को और जटिल बना सकती है। कोर्ट के पंचायत चुनाव में आरक्षण से जुड़े फैसले ने न केवल प्रशासनिक प्रक्रिया को प्रभावित किया, बल्कि ग्रामीण मतदाताओं के बीच भी एक नई बहस छेड़ दी। कई लोग इसे सामाजिक न्याय की जीत मान रहे हैं, तो कुछ का मानना है कि बार–बार बदलती नीतियों से चुनावी प्रक्रिया में अनिश्चितता बढ़ रही है। अब, पंचायती राज विभाग को नई आरक्षण सूची तैयार करने और कोर्ट के निर्देशों का पालन करने की चुनौती है। ऐसे में चुनाव कराये जाने में देरी भी हो सकती है।

उधर, हाईकोर्ट के आदेश के बाद नये सिरे से आरक्षण की व्यवस्था के बीच प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की घोषणा 2026 के जनवरी और फरवरी माह में होने की संभावना है। राज्य निर्वाचन आयोग ने चुनाव की रूपरेखा तैयार करना शुरू कर दिया है और संबंधित विभागों को समय पर आवश्यक तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए हैं। इन चुनावों में ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत और जिला पंचायत के प्रतिनिधियों का चुनाव किया जाएगा। चुनाव की तिथियां देशभर के अन्य चुनावों और बोर्ड परीक्षाओं की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए अंतिम रूप दी जाएंगी। पूरी प्रक्रिया शांतिपूर्ण और निष्पक्ष ढंग से कराने पर जोर दिया जा रहा है। चुनाव के लिये सबसे खास बात यह है कि यह संभवता यह चुनाव ईवीएम की जगह बैलेट पेपर से कराये जा सकते हैं। आश्चर्यजनक बात यह भी है कि गाँव की 'सरकार' बनाने के लिये से प्रदेश की 'राजधानी' लखनऊ तक में 'पंचायतों' का दौर चल रहा है। सभी दलों का शीर्ष नेतृत्व पूरी दमखम के साथ जुटा हुआ है क्योंकि पंचायत चुनाव के नतीजों से 2027 में होने वाले यूपी विधानसभा चुनाव के लिये भी 'मैसेज' निकलेगा।

एक समय था जब पंचायत चुनाव में राजनैतिक दल प्रत्यक्ष रूप से हिस्सेदारी नहीं लेते थे ,लेकिन अब करीब–करीब सभी राजनैतिक दल अपने प्रत्याशी उतारने से गुरेज नहीं करते हैं। यही वजह है कुछ राजनीतिक दल आगामी चुनावों को लेकर सक्रिय हो गए हैं। भारतीय जनता पार्टी के गठबंधन की सहयोगी पार्टी सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) ने पंचायत चुनावों में पूरी ताकत के साथ ताल ठोकने की तैयारी कर ली है।

# उर्मिला एजुकेशनल एकेडमी में धूमधाम से मना श्री कृष्ण जन्मोत्सव

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

बस्ती। वृहस्पतिवार को उर्मिला एजुकेशनल एकेडमी बस्ती में कृष्ण जन्मोत्सव कार्यक्रम बहुत ही धूमधाम के साथ मनाया गया। प्री प्राइमरी के शिक्षिकाओं ने श्री कृष्ण की लीलाओं का सजीव मंचन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रबंधक धीरेन्द्र शुक्ल एवम् प्रबन्धनिदेशक विनय शुक्ल ने दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती तथा राधा कृष्ण की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पूजन अर्चन करके किया। समस्त कार्यक्रम में प्रबंधक के साथ विद्यालय की प्रधानाचार्या शशिप्रभा त्रिपाठी ने अपनी सहभागिता दर्ज किया। समस्त सांस्कृतिक कार्यक्रमों में कृष्ण जन्मोत्सव, श्री कृष्ण की बाल लीला, कंस वध एवं कृष्ण सुदामा की मित्रता आकर्षण का केंद्र बिंदु बन रहा । कृष्ण जन्म से लेकर सुदामा मिलन तक की संक्षिप्त लीलाएं प्रस्तुत की गई। माखन चोरी के लीला को देख सभी बच्चे भाव विभोर एवम् मनमुग्ध हो गए। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के प्रबंधक धीरेन्द्र शुक्ल ने अपने संबोधन में शिक्षकों, शिक्षिकाओं एवं बच्चों का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि जब–जब अधर्म की वृद्धि और धर्म की हानि होती है, तब–तब प्रभु किसी न किसी रूप में अवतार लेकर के मानव जाति को संदेश देते हैं। इसी क्रम में विद्यालय के प्रबंधनिदेशक विनय शुक्ल ने अपने संबोधन में कहा श्रीकृष्ण केवल एक धार्मिक प्रतीक ही नहीं, बल्कि सत्य, धर्म, प्रेम, करुणा और ज्ञान के प्रेरणास्रोत हैं। उनका सम्पूर्ण जीवन हमें यह सिखाता है कि परिस्थितियाँ चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, धैर्य, बुद्धिमत्ता और सही निर्णय हमें हमेशा विजय की ओर ले जाते हैं। गीता में श्री कृष्ण ने कहा है दृ ष्कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन दृ अर्थात हमें अपने कर्म पर ध्यान देना चाहिए, फल की चिंता किए बिना। यह शिक्षा हमारे जीवन और शिक्षा, दोनों में समान रूप से महत्वपूर्ण है। अंत में उन्होंने कृष्ण शब्द की व्याख्या करते हुए कहा कि कर्षयति इति कृष्णरू जो सभी का ध्यान अपनी ओर हठात आकर्षित करें, उसे ही कृष्ण कहते हैं । उन्होंने सभी लोगों को जन्माष्टमी को शुभकामनाएं दी । कार्यक्रम का समापन विद्यालय की प्रधानाचार्या के संबोधन से हुआ। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि राम का चरित्र परम पवित्र है और श्याम का चरित्र परम विचित्र है राम का चरित्र अनुकरणीय है और कृष्ण का चरित्र वंदनीय है। राम ने जो किया है हमें वह करना चाहिए और श्याम ने जो कहा है हमें वह करना चाहिए । अंत में उन्होंने सभी को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं देते हुए सभी के प्रति आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रतिमा के सिंह, दिपाली गुप्ता, शिप्रा श्रीवास्तव, आर्चना जायसवाल, पूनम, मधुप्रिया मिश्रा आदि शिक्षक एवं शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

# सर्पदंश से युवक की मौत, परिजनों का अस्पताल में हंगामा, सड़क जाम

**संवाददाता–देवरिया।** जिले के खामपार थाना क्षेत्र के एक युवक की गुरुवार को सर्पदंश से मौत हो गई। घटना के बाद आक्रोशित भीड़ ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भाटपाररानी पर जमकर हंगामा किया। इसके बाद शव सड़क पर रखकर जाम लगा दिया। आक्रोशित लोग समय से एंबुलेंस नहीं पहुंचने और इलाज में लापरवाही का आरोप लगा रहे हैं। मौके पर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी पहुंच गए हैं। खामपार थाना क्षेत्र के बंधी भीसा गांव निवासी अशोक कुशवाहा के दो बेटों में छोटा बेटा बिट्टू कुशवाहा (18) अपने कमरे में सोया हुआ था।

# पुलिसकर्मियों ने निकाली तिरंगा यात्रा

**संवाददाता–गोण्डा।** शहर घर तिरंगाश अभियान के तहत पुलिसकर्मियों द्वारा भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया था। जहां पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल के नेतृत्व में यह यात्रा पुलिस कप्तान कार्यालय से शुरू होकर कोतवाली नगर तक पहुंची। यात्रा में जिले भर के पुलिसकर्मियों ने भाग लिया एसपी जायसवाल के साथ अपर पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार रावत और राधेश्याम राय भी मौजूद रहे। सभी क्षेत्राधिकारी, थानाध्यक्ष और अन्य पुलिस अधिकारी एक साथ चल रहे थे।

## अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)

न्यायालय–श्रीमान उपजिलाधिकारी सदर महोदय अयोध्या, जनपद अयोध्या

वाद सं. टी. 20240423011226 4

राम सूरत

बनाम

राज्य सरकार आदि

बनाम–1– राज्य सरकार उत्तर प्रदेश आदि द्वारा कलेक्टर महोदय अयोध्या

2– रामनरायन पुत्र ओंकार निवासी ग्राम– तमपुरा परगना हवेली अवध तहसील सदर जनपद– अयोध्या

3– आशीष कुमार पुत्र रामबली ग्राम– तमपुरा परगना हवेली अवध तहसील सदर जनपद– अयोध्या

**तारीख पेशी 19–08–2025**

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2025 के माह 08 के 19 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 25 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

## अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती

प्रकीर्णवाद सं0 178/2025

श्रीमती श्यामपती–सायलान

1. श्रीमती श्यामपती उम्र लगभग 74 वर्ष पत्नी साधूसरन ग्राम भगवानपुर पोस्ट सोनहा थाना सोनहा तप्पा कोठिला परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला–बस्ती

**तारीख पेशी 03–09–2025**

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925

दरख्वास्त मुसम्मा

वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 03–09–2025 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

## अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)

न्यायालय–श्रीमान नायब तहसीलदार महोदय अयोध्या, जनपद अयोध्या

वाद सं.

धारा 34 ग्राम– धर्मपुर सहादत परगना हवेली अवध तहसील सदर जिला अयोध्या

शान्ती देवी

बनाम

माता प्रसाद

बनाम–1– वंशीलाल पुत्र रामपाल निवासी मिर्जापुर माफी परगना हवेली अवध तहसील सदर जिला– अयोध्या

**तारीख पेशी 18–08–2025**

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2025 के माह 08 के 18 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 25 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

## अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

वाद सं0 5575/2025

कं0 T 202517140305575

धारा 144 उ0प्र0रा0सं0–2006

अदालत– श्रीमान अति प्रथम उप जिलाधिकारी बस्ती जिला–बस्ती

रविन्द्रनाथ

बनाम

कृष्णदेव आदि

1. कृष्णदेव पुत्र रामशंकर 2. गिरजेश नरायन पुत्र चन्द्रबली 3. वीरेन्द्र कुमार 4. लक्ष्मीकान्त 5. दुर्गेश कुमार 6. विजय कुमार पुत्रगण राघवेन्द्र 7. विष्णुदेव पुत्र रामशंकर 8. श्रीमती प्रेमलता पत्नी राघवेन्द्र 9. मनोज कुमार पुत्र विद्या सागर 10. श्रीमती चन्द्रावती पत्नी विद्या सागर 11. श्रीमती दुर्गावती पत्नी अमरीश 12. बैभव ना0 पुत्र अमरीश 13. श्रूती ना0 पुत्र अमरीश 14. समृद्धि ना0 पुत्री अमरीश नावालिगा वालायत श्रीमती दुर्गावती माता खुद साकिनान मौजा सिरौती तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती 15. ग्राम पंचायत पिपरा द्वारा ग्राम प्रधाना साकिन पिपरा तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती 16. कलेक्टर महोदय बस्ती जिला–बस्ती

**तारीख पेशी 22–08–2025**

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 22 माह 08 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 14 माह 08 सन 2025 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

## अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

वाद सं0 5672/2025

धारा 116 उ0प्र0रा0सं0–2006

अदालत– श्रीमान मुख्य राजस्व अधिकारी बस्ती जिला–बस्ती

जमील अहमद खान आदि

बनाम

सरकार आदि

1. अब्दुल मनन्नान पुत्र मोहम्मद युनुस 2. मु0 हाजरा बेगम पत्नी मोहम्मद उमर 3. मोहम्मद खैर पुत्र मोहम्मद युनुस 4. नवी हुसेन 5. अली हुसेन पुत्रगण जामिन 6. वाहिद अली 7. माजिद अली 8. निशान अली पुत्रगण हलीस 9. सइय्यद हुसेन 10. जाकिर हुसेन पुत्रगण मो0 हुसेन 11. इम्तियाज 12. अब्दुल वहाव पुत्रगण गुलाम हुसेन 13. मो0 मुशर्रफ नावालिग पुत्र मो0 हुसेन संरक्षक श्रीमती साबरा माता स्वयं 14. श्रीमती साजरा पत्नी गुलाम हुसेन 15. तैयबा पत्नी अफसर साकिन ग्राम मदारपुर सिसवा तप्पा हवेली परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती

**तारीख पेशी 26–08–2025**

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 26 माह 08 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

## अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन

(आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)

मूलवाद संख्या 108/2024

न्यायालय– श्रीमान द्वितीय अति0 सिविल जज (जू0डि0) स्थान–बांसी जिला– सिद्धार्थनगर

मो0 इलियास

बनाम

रफीक अहमद आदि

1. इबरार अहमद 2. सराज अहमद 3. मैराज अहमद पुत्रगण साबिर अली 4. मसीहुन्निशा पत्नी इरशाद 5. नावेद अहमद 6. साजिद अहमद 7. जावेद अहमद 8. हमीद अहमद पुत्रगण वाजिद अली 9. जैबुन्निशा पत्नी वाजिद अली 10. उसमान अहमद पुत्र सफात अली सकिनान मौजा डड़वाकोदई जोत तप्पा घोसियारी परगना मगहर पश्चिम तहसील बांसी जिला–सिद्धार्थनगर

**तारीख पेशी 03–09–2025**

वादी ने आपके विरूद्ध आज्ञापक आदेश के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक **03–09–2025** को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

## अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)

(आर्डर 5 कायदा 3)

न्यायालय–श्रीमान जनपद न्यायाधीश महोदय बस्ती जिला–बस्ती

सिविल निगरानी सं0 26/2025

रवि कुमार आदि

बनाम

आशीष आनन्द आदि

1. आशीष आनन्द उम्र 42 साल 2. मनीष आनन्द उम्र 40 साल 3. सुनील आनन्द उम्र 32 साल पुत्रगण जितेन्द्र आनन्द 4. श्रीमती निर्मला आनन्द उम्र लगभग 60 साल विधवा जितेन्द्र आनन्द साकिनान मौजा प्रहलाद कालोनी सिविल लाइन बस्ती तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती

**तारीख पेशी 28–08–2025**

चूंकि उपरीनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2025 के माह 08 के 28 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 20 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

## अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती

प्रकीर्णवाद सं0 94/2025

वंशराजी–सायलान

1. वंशराजी पत्नी स्व0 रामवरन 2. विनोद कुमार 3. रमेश 4. जटाशंकर 5. मनोज पुत्रगण स्व0 रामवरन निवासीगण ग्राम चोरहा किशुनपुर तप्पा बनगवा परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 6. केशरी पत्नी उदयभान पाण्डेय पुत्री रामवरन निवासी ग्राम सेवरालाला पोस्ट अमोढ़ा जिला बस्ती हाल मुकाम चोरहा किशुनपुर तप्पा बनगवा परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 7. मीरा पत्नी रमावास पुत्री रामवरन निवासी ग्राम मयूरविहार फेस–1 चिल्ला सरोडा खदर दिल्ली हाल मुकाम चोरहा किशुनपुर तप्पा बनगवा परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 8. प्रमिला पत्नी भूपेन्द्र कुमार तिवारी पुत्री स्व0 रामवरन निवासी ग्राम सुमेरपुर पोस्ट मोतीगंज जिला–गोण्डा हाल मुकाम चोरहा किशुनपुर तप्पा बनगवा परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

**तारीख पेशी 19–08–2025**

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925

दरख्वास्त मुसम्मा

वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 19–08–2025 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

## बेदखली सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी रामशंकर पुत्र स्वर्गीय माता प्रसाद ग्राम– अहरौली (सलोनी) थाना– इनायतनगर तहसील मिल्कीकुर जिला अयोध्या का निवासी है। प्रार्थी का पुत्र कुलदीप परिवार के कहने–सुनने में नहीं है और आये दिन कलह करने के साथ ही अपनी पत्नी को मारता पीटता है। उसके इस व्यवहार से पूरा परिवार दुःखी और परेशान है। इसे देखते हुये मैं उसे दिनांक 14–8–2025 से अपने चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर रहा हूं। अपने किसी भी कृत्य, लेन देन, वाद विवाद आदि के लिये वह स्वयं जिम्मेदार होगा। प्रकाशन इसलिये करा रहा हूं कि वक्त जरूरत पर काम आये।

## बेदखली सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी ओम प्रकाश पुत्र स्वर्गीय दयाराम एवं शारदा देवी पत्नी ओम प्रकाश ग्राम– हरिनरायनपुर पोस्ट– अंजना थाना– पूराकलन्दर तहसील सदर जिला अयोध्या का निवासी है। प्रार्थी की पुत्री रेखा कुमारी परिवार के कहने–सुनने में नहीं है और परिवार की मर्जी के बिना भागकर विवाह कर लिया है। उसके इस व्यवहार से पूरा परिवार दुःखी और परेशान है। इसे देखते हुये मैं उसे दिनांक 14–8–2025 से अपने चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर रहा हूं। अपने किसी भी कृत्य, लेन देन, वाद विवाद आदि के लिये वह स्वयं जिम्मेदार होगी। प्रकाशन इसलिये करा रहा हूं कि वक्त जरूरत पर काम आये।

## अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

वाद सं0–334/2025

राममूरत

बनाम

रामपदारथ

1. रामपदारथ 2. रामकेश पुत्रगण मनोहर 3. मायाराम पुत्र लालमन निवासीगण ग्राम बरोहियाकला पोस्ट पगार तप्पा बडगोपगार परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती

–प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग

4. आनन्द कुमार चौधरी 5. अखिलेश कुमार चौधरी पुत्रगण रामवृक्ष चौधरी 6. अतुल कुमार चौधरी 7. अमित कुमार चौधरी पुत्रगण रामसुरेश चौधरी साकिनान दुबौलीकला तप्पा मथौली परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती–प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग

**तारीख पेशी 06–09–2025**

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 06 माह 09 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

## अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा

(आर्डर 22, कायदा 4)

न्यायालय–श्रीमान चतुर्थ अति0 सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती

वाद सं0–710/2018

इसरारूल हक

बनाम

जव्वारूल हक आदि

5/2 आसमा खातून पुत्री इनामुलहक 5/3 नजमा खातून पुत्री इनामुलहक साकिन मौजा मनिकरपुर तप्पा पुरैना परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती 6/10 गुड्डू पुत्र स्व0 मैमुलहक साकिन मौजा मनिकरपुर तप्पा पुरैना परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती

**तारीख पेशी 30–08–2025**

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 30 माह 08 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

## अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय–श्रीमान तृतीय अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

वाद सं0–1111/92

राम शंकर

बनाम

रामदुलारे

1. कुमारी रीता पुत्री हृदयलाल साकिन अवधूत नगर तप्पा मनवरपारा परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

**तारीख पेशी 15–09–2025**

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 15 माह 09 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

## अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती

वाद सं0–17/2025

राम अछैवर

बनाम

रामललित आदि

1. रामललित उम्र लगभग 50 वर्ष पुत्र झिन्नू 2. बाबूराम उम्र लगभग 45 वर्ष 3. रामहरीश उम्र लगभग 65 वर्ष पुत्रगण झकड़ी निवासीगण ग्राम नरायनपुर तप्पा पिपरा परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती

**तारीख पेशी 26–09–2025**

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 26 माह 09 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

## अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती

वाद सं0–47/2023

विष्णु कुमार पाल

बनाम

रणजीत पाल आदि

1. रणजीत पाल पुत्र स्व0 रामपाल 2. विनय पाल 3. विवेक पाल पुत्रगण स्व0 जगदीश पाल निवासी मौजा मथौली तप्पा मथौली परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती

**तारीख पेशी 05–10–2025**

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 05 माह 10 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

## अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती

प्रकीर्णवाद सं0 240/2025

अनुराग कुमार श्रीवास्तव–सायल

1. अनुराग कुमार श्रीवास्तव उम्र 40 वर्ष पुत्र स्व0 प्रेमचन्द्र श्रीवास्तव साकिन अमहट उर्फ बैरिहवा तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती पोस्ट गांधीनगर

**तारीख पेशी 04–10–2025**

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925

दरख्वास्त मुसम्मा

वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 04–10–2025 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

# तिरंगा यात्रा निकाल राष्ट्र वंदन और एएचएफ ने मनाया जश्न

**संवाददाता–गोरखपुर।** राष्ट्र वंदन समिति अखंड हिंद फौज के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को अमर शहीद नमन तिरंगा यात्रा और अखंड भारत शोभा यात्रा निकाली गई। यात्रा का नेतृत्व अखंड फौज के विभाग कमांडर अंश अग्रहरि और युवा परिषद के संयोजक अमित दत्त पांडेय ने किया। अखंड हिंद फौज के कैडेट्स घोष की लय पर व कदमताल से यात्रा का शुभारंभ हुआ। घोष का संचालन आलोक पांडेय ने किया। यात्रा का शुभारंभ राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष चारु चौधरी, वरिष्ठ सर्जन डॉ. जेपी जयसवाल, संरक्षक डॉ. रूप में बनर्जी, विजय खेमका, दुर्गेश त्रिपाठी ने संयुक्त रूप से झंडा दिखाकर किया।

# कुरआन पूरी इंसानियत के लिये नेमत

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

बस्ती। साऊंघाट विकास खण्ड क्षेत्र के मदरसा अरबिया दारूल फलाह जमोहरा में कुरान हिफ्ज मुकम्मल करने पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कुरआन पूरी इंसानियत व मुसलमानों के लिए सबसे अजीम नेमत है।

इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। मुदस्सिर खां, पुत्र मो0 शमीम को कुरान हिफ्ज मुकम्मल करने पर सम्मानित किया गया। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि हाफिज ए कुरान का अल्लाह के यहां बड़ा मुकाम है। दुनिया तक कुरआन मजीद की हिफाजद की जिम्मेदारी अल्लाह ने अपने जिम्मे ली है। इसे याद करना सम्मान की बात है। वहीं मुल्क में अमनो अमान की दुआ की गई। इस दौरान जिला पंचायत सदस्य खुर्शीद अहमद, नासिर अली खान, कारी शमीम साहब, मु. नदीम, मु. इस्हाक, रहमतुल्लाह, अली अहमद, अन्सार चचा, मौलाना हैदर साहब, जनाब मुफ्ती सईदुर्रहमान, मुफ्ती मुहम्मद साहब, मुफ्ती कलाम साहब, हाफिज, इशराक, मौलाना मुईद, शमीम साहब, मो. रफीक साहब आदि मौजूद रहे।

# खाद लेने गए किसान की मौत

**संवाददाता–महराजगंज।** सिसवा नगरपालिका के दीन दयाल उपाध्याय नगर वार्ड सबयां निवासी 65 वर्षीय रमाशंकर चौरसिया खाद के लिए गुरुवार की सुबह से ही लाइन में लगे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार शाम करीब 5 बजे उनका नंबर आया तो रमाशंकर ने खाद की रैक के पास पहुंचे थे कि इसी बीच वह नीचे गिर पड़े। यह देखते ही समिति के सचिव रवि यादव व किसान ने आनन फानन में रमाशंकर को समिति से बाहर लाकर होश में लाने का प्रयास करने लगे। किसानों की सूचना पर एम्बुलेंस द्वारा रमाशंकर को सिसवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर परिजन भी अस्पताल में पहुँचकर दहाड़ मार कर चीखने चिल्लाने लगे। सूचना पर पहुंची कोठीभार पुलिस शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम हेतु भेजने की तैयारी करने में जुट गई। सूचना पर उपजिलाधिकारी निचलौल नंदप्रकाश मौर्य अस्पताल में पहुँचकर घटना की जानकारी लेने में जुटे हुए हैं।

इस संदर्भ में सीएचसी अधीक्षक डॉ. ईश्वरचंद्र विद्यासागर ने बताया कि प्रथम दृष्टया हार्ट अटैक से मौत प्रतीत हो रहा है। इसकी पुष्टि ईसीजी रिपोर्ट आने के बाद होगी।

# बलिदान दिवस पर याद किये गये रामचन्द्र विद्यार्थी

## 13 वर्ष की उम्र में देश के लिये दिया था बलिदान

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

बस्ती । गुरूवार को अखिल भारतीय प्रजापति 'कुम्भकार' महासंघ जिलाध्यक्ष राम मिलन प्रजापति की अध्यक्षता में बड़े वन के निकट स्थित एक मैरेज हाल के सभागार में देश के लिये 13 वर्ष की उम्र में शहीद हो जाने वाले रामचन्द्र विद्यार्थी को उनके बलिदान दिवस पर याद किया गया।

महासंघ के हरिकेश प्रजापति ने रामचन्द्र विद्यार्थी के बलिदान पर प्रकाश डालते हुये कहा कि देवरिया जिले के शहीद रामचंद्र विद्यार्थी गांधी जी के आह्वान पर, 'अंग्रेजो भारत छोड़ो आंदोलन' में कूद गए थे। कहा जाता है कि आंदोलन में हिस्सा लेने के वक्त वे कक्षा 5 के छात्र थे। 14 अगस्त 1942 को वे घर से बिना बताए ही स्कूल से भागकर देवरिया पहुंच गए थे। उन्होंने कचहरी की छत पर लगा अंग्रेजों का यूनियन जैक फाड़ कर फेंक दिया था। एक मासूम बच्चे का यह दुस्साहस देख अंग्रेजों ने विद्यार्थी पर धुआंधार गोलियां चलायीं। मगर आजादी का यह दीवाना गोलियों से छलनी होने के बावजूद भी, मां भारती के जय घोष के साथ तिरंगा फहराने में सफल हुआ और अंत में शहीद हो गया। 13 वर्ष की उम्र में देशभक्ति का ऐसा जज्बा पूरे विश्व के इतिहास में बिरला ही मिलता है। रामचन्द्र विद्यार्थी का जन्म 1 अप्रैल 1929 को छोटी गंडक नदी के किनारे स्थित देवरिया तहसील के नौतन हथियागढ़ गांव में हुआ था। महासंघ के प्रदेश सचिव दिनेश प्रजापति, मधुसूदन प्रजापति, गजेन्द्र कुमार प्रजापति, हरीश कुमार प्रजापति ने कहा कि नई पीढी को रामचन्द्र विद्यार्थी के बलिदान से प्रेरणा लेना चाहिये। कहा कि शहीद रामचंद्र विद्यार्थी के पैतृक गांव में उनकी प्रतिमा लगाई गई है। शहीद की याद में गांव के बच्चे उनकी प्रतिमा देखकर गर्व का अनुभव करते हैं। देश आजाद होने के बाद 1949 मे तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरु शहीद के गांव नौतन हथियागढ़ आए। जहां उन्होंने विद्यार्थी के माता–पिता को चांदी की थाली और चांदी का गिलास देकर सम्मानित किया था। शहीद रामचन्द्र विद्यार्थी को बलिदान दिवस पर नमन् करने वालों में अखिलेश प्रजापति, दिलीप कुमार प्रजापति, महेन्द्रनाथ प्रजापति, दिनेश कुमार प्रजापति, अमित प्रकाश प्रजापति, मेहीलाल प्रजापति, विजय प्रजापति, अभिषेक कुमार, अखिलेश, शैलेष कुमार के साथ ही महासंघ के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

# विश्व हिन्दू महासंघ ने निकाली तिरंगा यात्रा, दिया संदेश

## 15 अगस्त को अपने घरों पर फहरायें राष्ट्र ध्वज– अखिलेश सिंह

**बस्ती ।** गुरूवार को विश्व हिन्दू महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह के नेतृत्व में मारवाड़ी मंदिर पाण्डेय बाजार से झंडा तिराहा कचहरी तक विशाल तिरंगा यात्रा निकाली गई। शिवम मिश्रा ब्लॉक अध्यक्ष सदर, अभिषेक वर्मा आर्या नगर अध्यक्ष नगर पालिका के सयोजन में निकली इस तिरंगा यात्रा में बड़ी संख्या में महासंघ पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों ने हिस्सा लिया। अनेक स्थानों पर लोगों ने तिरंगा यात्रा का स्वागत करते हुये भारत माता की जय के नारे लगाये।

झंडा तिराहा पर तिरंगा यात्रा पूर्ण होने के बाद महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने कहा कि लम्बे संघर्ष के बाद देश को आजादी मिली है। 15 अगस्त को अपने–अपने घरों पर राष्ट्रध्वज अवश्य फहरायें और बीर सपूतों को नमन् करें। कहा कि यह स्वतंत्रता दिवस इस मायने में विशेष है कि आपरेशन सिन्दूर के द्वारा भारतीय सेना ने पाकिस्तान के आतंकी अड्डों को ध्वस्त कर दिया।

तिरंगा यात्रा में मुख्य रूप से महासंघ के दिग्विजय सिंह राना, विजय शंकर शुक्ला, कुलदीप मिश्रा, अभय सिंह रघुवंशी, विवेक श्रीवास्तव, विपिन सिंह, महेश हिंदुस्तानी, राकेश सिंह, आशीष उर्फ कल्लू बाबा, सौरभ चतुर्वेदी, जमुना प्रसाद, अरविन्द सिंह अभय चौधरी, अमरजीत यादव, आजाद सिंह, विष्णु प्रताप सिंह, संदीप कमलापुरी, राहुल कमलापुरी, दीपक गुप्ता, पिंटू गुप्ता, अमित त्रिपाठी, सुंदरम शुक्ला के साथ ही बड़ी संख्या में लोग शामिल रहे।

# हल षष्ठी पर माताओं ने निर्जला व्रत रख पूजा की, कुश में गांठ लगाकर मांगी संतान की सलामती

**संवाददाता–संतकबीरनगर।** धर्मसिंहवा में गुरुवार को हल षष्ठी महापर्व मनाया गया। माताओं ने निर्जला व्रत रखकर भगवान बलराम की पूजा–अर्चना की। परंपरा के अनुसार कुश में गांठ लगाकर पुत्रों की लंबी उम्र और सुख–समृद्धि की कामना की। मानसा पोखरे पर स्थित प्राचीन शिव मंदिर और काली माता मंदिर को सुबह से ही सजाया गया। पूजा स्थलों को फूल, धूप–दीप और पूजा सामग्री से सजाया गया। पारंपरिक वस्त्रों में सजी महिलाएं गीत–भजन और मंगलगान के साथ पूजा–अर्चना में लीन रहीं।

महिलाओं ने थालियों में चावल, दूर्वा, रोली, दीपक और मिठाई सजाकर भगवान भोलेनाथ और काली माता की आराधना की। वार्ड नंबर 9 स्थित मानसा पोखरे के मंदिरों पर श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी। वार्ड नंबर 9 की सभासद अर्चना अग्रहरी और वार्ड नंबर 1 की सभासद चमेली देवी ने भी पारंपरिक विधि से पूजन किया। उन्होंने अपने परिवार और क्षेत्र की खुशहाली की प्रार्थना की। कार्यक्रम के अंत में प्रसाद का वितरण किया गया।

# तिरंगा बाइक रैली को भाजपा जिलाध्यक्ष ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

## बीएसए कार्यालय से निकली तिरंगा यात्रा में उमड़े शिक्षक

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

बस्ती। हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत गुरुवार को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय से तिरंगा बाइक रैली निकाली गई। रैली को भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बीएसए अनूप कुमार तिवारी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यालय स्टाफ और शिक्षकों ने प्रतिभाग किया। रैली बीएसए कार्यालय से चलकर गांधीनगर, जीआईसी, रोडवेज तिराहा, मालवीय रोड, ब्राह्मण महासभा, रंजीत चौराहा, फौवारा चौराहा, कंपनी बाग, तिरंगा चौराहा से होते हुए वापस बीएसए कार्यालय पहुंची जहां पर मिष्ठान वितरण कर रैली का समापन किया गया। रैली में भारत माता की जय, वंदे मातरम, जय हिन्द आदि नारे गूंजते रहे। आजादी में प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों को नमन करते हुए पूरे उत्साह, उमंग के बीच बाइक रैली पूरी हुई। भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमें उन वीरों की याद दिलाता है, जिन्होंने देश की आजादी के लिए बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने सामरिक, आर्थिक, विदेश नीति और वैज्ञानिक क्षेत्रों में प्रगति की है। सभी लोग अपने घरों पर तिरंगा झंडा लगाकर हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाएं। बीएसए ने कहा कि तिरंगा बाइक रैली का उद्देश्य देश के उन महान स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि देना है जिनके त्याग और बलिदान के चलते भारत को अंग्रेजी हुकूमत से आजादी मिली थी। वीर शहीदों की बहादुरी, वीरता और शौर्य को हम सभी को कभी नहीं भूलना चाहिए। तिरंगा बाइक रैली में मुख्य रूप से डीसी अमित मिश्र, सुनील त्रिपाठी, वरिष्ठ सहायक सन्तोष गुप्त, अमित सोनी, स्वप्निल श्रीवास्तव, दुर्गेश यादव, सुधीर तिवारी, शिव प्रकाश सिंह, विवेक कान्त पाण्डेय, रवीश कुमार मिश्र, राम प्यारे, बब्बन पाण्डेय, संतोष मिश्र, कुलदीप सिंह, अंगद पाण्डेय, आशीष श्रीवास्तव, अनिल पाण्डेय, राकेश पाण्डेय, जेपी श्रीवास्तव, स्कन्द दूबे, दिव्यांश त्रिपाठी, उमाशंकर पाण्डेय, प्रदीप गुप्ता, सूर्य प्रकाश शुक्ल, संजय, शिव प्रसाद, नरेन्द्र पाण्डेय, हनुमान दूबे आदि उपस्थित रहे।

परागा

परांग

पराग

"पराग है सेहत की धारा"
"सदैव पराग पाश्चुराईज्ड दूध का प्रयोग करें"

एवं

विभिन्न बीमारियों से बचें।
दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि0, अयोध्या परिवार के तरफ से समस्त दुग्ध उत्पादकों तथा पराग उपभोक्ताओं को

:- स्वतंत्रता दिवस:-
आजादी का अमृत महोत्सव
वर्ष 2025
के
शुभ अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें

एवं दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि०, अयोध्या के उच्च गुणवत्तायुक्त पराग उत्पाद
दूध, घी, मक्खन, पनीर, मट्ठा, मीठी दही, सादी दही, पेड़ा, बेसन लड्डू, सोनपपड़ी, गुलाब जामुन, रसगुल्ला, फूलेवर्ड मिल्क, छेना खीर, मिल्क केक, कलाकन्द आदि

"पराग दूध है जहां, स्वस्थ जीवन है वहां
पराग दूग्ध एवं दुग्ध पदार्थ प्राकृतिक है।
पराग दूध अपनाएं–सुखी जीवन बिताएं।"

आशीष कुमार श्रीवास्तव — सामान्य प्रबन्धक
आनन्द कुमार सिंह 'मोनी' — अध्यक्ष

दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि0 अयोध्या

पत्रांक /दुसंअयो/प्रशा0/2025 दिनांक 14–8–2025

दैनिक
भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com